समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Sunday, 20 September 2026

IND vs AUS 4th T20I: मर्कस स्टोइनिस को चौका देने पर भड़के सूर्यकुमार यादव, मैदान पर शिवम दुबे को लगाई फटकार — जानिए पूरा मामला

Sanket Morankar Published on 07 Nov 2025

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में कप्तान **सूर्यकुमार यादव** का मैदान पर गुस्सा चर्चा का विषय बन गया। मैच के दौरान भारतीय ऑलराउंडर **शिवम दुबे** ने एक ढीली गेंद डालकर ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ **मर्कस स्टोइनिस** को चौका जड़ने का मौका दिया, जिसके बाद कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मैदान पर ही दुबे को डांट लगा दी।

हालांकि भारत ने यह मैच **48 रन** से जीतकर सीरीज़ में **2-1 की बढ़त** हासिल की, लेकिन सूर्यकुमार की यह प्रतिक्रिया क्रिकेट प्रेमियों और विश्लेषकों के बीच खूब सुर्खियों में रही।

यह घटना ऑस्ट्रेलिया की पारी के **12वे ओवर** में हुई। शिवम दुबे उस समय शानदार गेंदबाज़ी कर रहे थे। उन्होंने अपने पिछले ओवर में **मिशेल मार्श** और **टिम डेविड** जैसे बड़े बल्लेबाज़ों के विकेट झटके थे। कप्तान सूर्यकुमार यादव की योजना थी कि दुबे स्टोइनिस पर दबाव बनाए रखें और ओवर में डॉट बॉल्स डालें।

लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर दुबे ने एक शॉर्ट और वाइड गेंद फेंकी, जिसे स्टोइनिस ने पॉइंट के ऊपर से शानदार चौके में तब्दील कर दिया। यह चौका देखकर सूर्यकुमार यादव का संयम टूट गया। उन्होंने अपने हाथ हवा में फेंके और नाराज़गी ज़ाहिर की। कैमरे में कैद इस पल में वह दुबे की ओर कुछ कहते हुए भी दिखाई दिए।

मैदान पर मौजूद दर्शकों और टीवी कमेंटेटर्स ने इस पल को तुरंत नोटिस किया और सोशल मीडिया पर #SuryakumarYadav ट्रेंड करने लगा।

टी20 क्रिकेट में हर गेंद का असर मैच के नतीजे पर पड़ सकता है। सूर्यकुमार यादव का गुस्सा इस बात पर था कि दुबे ने रणनीति से अलग गेंद फेंकी। सूर्यकुमार ने पहले ही फील्ड को इस तरह सेट किया था कि बल्लेबाज़ को स्ट्राइक रोटेट करना मुश्किल हो।

लेकिन आखिरी गेंद पर वाइड और छोटी गेंद डालने से स्टोइनिस को अपने हाथ खोलने का मौका मिल गया। यह एक मानसिक

गलती थी, जिससे कप्तान निराश दिखे।

क्रिकेट विश्लेषकों के अनुसार, सूर्यकुमार का यह गुस्सा उनकी "intent-based captaincy" का हिस्सा था — जहां हर खिलाड़ी से 100% सटीकता की उम्मीद रहती है, चाहे टीम जीत की स्थिति में ही क्यों न हो।

भारत ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 20 ओवर में **167 रन** बनाए। टीम की ओर से **शुभमन गिल** ने सर्वाधिक **46 रन (39 गेंद)** बनाए, जबकि **अभिषेक शर्मा (28)** और **शिवम दुबे (22)** ने अहम योगदान दिया।

कप्तान **सूर्यकुमार यादव** ने तेज़ **20 रन (10 गेंद)** बनाए और अंतिम ओवरों में **अक्षर पटेल** ने **21 रन (11 गेंद)** की नाबाद पारी खेली।

ऑस्ट्रेलिया की ओर से **एडम ज़म्पा** और **नाथन एलिस** ने 3-3 विकेट झटके और भारतीय बल्लेबाज़ों को खुलकर खेलने नहीं दिया।

167 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी रही। **मैट शॉर्ट (25)** और **मिशेल मार्श (25)** ने तेज़ शुरुआत दी और टीम का स्कोर 60 रन तक पहुंचाया।

लेकिन इसके बाद भारत के स्पिन गेंदबाज़ों ने खेल की दिशा बदल दी।

- **वॉशिंगटन सुंदर**, जिन्होंने इस सीरीज़ में पहली बार मौका पाया, ने केवल **1.2 ओवर मे ३ विकेट** लेकर ऑस्ट्रेलिया की कमर तोड़ दी।
- **अक्षर पटेल** ने **2 विकेट** लेकर शानदार प्रदर्शन किया।
- **वरुण चक्रवर्ती** ने ग्लेन मैक्सवेल को क्लीन बोल्ड कर दिया, जिससे ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदें खत्म हो गईं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम 18.2 ओवर में **119 रन** पर सिमट गई और भारत ने **48 रन से जीत** दर्ज की।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार यादव ने टीम की जीत की तारीफ की और कहा —

> "शुभमन और अभिषेक ने शुरुआत में शानदार बल्लेबाज़ी की। वे जानते थे कि यह 200 रन वाली पिच नहीं है। उन्होंने सटीक खेल दिखाया और स्पिनर्स ने आगे का काम बखूबी पूरा किया। यह पूरी टीम की जीत है।"

उन्होंने यह भी जोड़ा कि टीम में हर खिलाड़ी को अपने रोल की स्पष्ट समझ होनी चाहिए।

> "हर ओवर, हर गेंद मायने रखती है। चाहे विपक्षी टीम दबाव में हो या नहीं — हमें हमेशा सटीक रहना चाहिए।"

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान **मिशेल मार्श** ने स्वीकार किया कि भारत ने उन्हें हर विभाग में पछाड़ दिया।

> "हमने सोचा था कि 167 एक पार स्कोर है, लेकिन भारतीय गेंदबाज़ों ने हमें कोई मौका नहीं दिया। उनके स्पिनर्स और डैथ ओवर्स में गेंदबाज़ी शानदार रही। वे निश्चित रूप से एक विश्व स्तरीय टीम हैं।"

सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में भारतीय टीम एक नई दिशा में आगे बढ़ रही है। उनकी कप्तानी की खासियत है — **तीव्रता, अनुशासन और आक्रामक मानसिकता**।
उनकी यह प्रतिक्रिया दर्शाती है कि वह सिर्फ़ "खेल के मनोरंजन" पर नहीं, बल्कि "रणनीति की सटीकता" पर ध्यान देते हैं।

शिवम दुबे भले ही दो महत्वपूर्ण विकेट झटक चुके थे, लेकिन कप्तान ने उन्हें यह याद दिलाया कि छोटे मौके भी मैच की दिशा बदल सकते हैं।

यह मुकाबला केवल भारत की जीत भर नहीं था, बल्कि भारतीय क्रिकेट टीम की मानसिक मजबूती और नेतृत्व की स्पष्टता का

उदाहरण भी बना। सूर्यकुमार यादव का मैदान पर दिखा गुस्सा यह बताता है कि टीम अब हर छोटी गलती को भी गंभीरता से लेती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.